Fake Fertilizer : किसानों के साथ धोखाधड़ी, यहां नकली पोटाश बनाकर की जा रही सप्लाई

Fake Fertilizer News: छत्तीसगढ़ (Chhattisgarh) के कवर्धा (Kawardha) में पीपीपी मोड पर संचालित प्रदेश का पहला इथेनॉल प्लांट में अमानक खाद बनाने का मामला सामने आया है. आरोप है कि यहां के फार्म टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से फसल में डाले जाने वाले पोटाश उर्वरक UPAJJ नाम से बनाया जा रहा है, जिसकी निर्धारित मानक जांच में 14.5 की जगह 1 और 3.5 प्रतिशत ही पाया गया.

जांच के बाद इस पोटाश पर रोक लगा दिया. वहीं, यह मामला सामने आने के बाद भारतीय किसान संघ ने इसे किसानों के साथ धोखाधड़ी बताते हुए निर्माता कम्पनी के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए कलेक्टर से शिकायत की है.

ऐसे हुआ मामले का खुलासा

कवर्धा के रामहेपुर में स्थित भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना रामहेपुर में एनकेजे बायोफ्यूल कंपनी स्थापित है. ये कंपनी शक्कर कारखाना से मोलासिस खरीद कर इथेनॉल लिक्विड बनाती है. इसके सहायक इकाई के फार्म द्वारा यही पर मोलासिस आधारित पोटाश उर्वरक का निर्माण किया जा रहा है, जिसे खरीद कर भोरमदेव शक्कर कारखाना की ओर से गन्ना बेचने वाले किसानों को बेचा जा रहा था, जिसे किसान अपने खेत में डालने के बाद इसकी गुणवत्ता में कमी को लेकर कृषि विभाग के अधिकारी से शिकायत किए. इसके बाद वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बोड़ला ने एक अप्रैल को कारखाना पहुंच कर निरीक्षण किया जहां कारखाना प्रबंधक की ओर से बगैर विक्रय लाइसेंस के किसानों को खाद बेंचा जा रहा था. जिस पर तत्काल रोक लगा दी गई. उक्त खाद का नमूना लेकर छत्तीसगढ़ सरकार की फर्टिलाइजर क्वॉलिटी कंट्रोल लैबोरेट्री रायपुर जांच के लिए भेजा गया, जिसकी जांच में पहले रिपोर्ट में एक प्रतिशत व दूसरे रिपोर्ट में 3.5 प्रतिशत पोटाश की मात्रा ही पाया गया, जबकि निर्धारित मानक अनुसार पोटाश की मात्रा न्यूनतम 14.5 होना चाहिए, इस तरह उक्त खाद को पूरी तरह अमानक पाया गया.

Source: https://mpcg.ndtv.in/chhattisgarh-news/potash-fertilizer-used-in-crops-is-being-manufactured-by-farm-technology-private-limited-under-the-name-upajj-8447713